

(11)

संचालनालय स्वास्थ्य सेवार्ये
मध्यप्रदेश, भोपाल

क्रमांक/आर.के.एस/2015/ 818
प्रति,

भोपाल, दिनांक 10/06/2015

1. समस्त मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी,
2. समस्त सिविल सर्जन सह मुख्य अस्पताल अधीक्षक,
मध्य प्रदेश।

विषय:- जिले के विभिन्न चिकित्सालयों एवं स्वास्थ्य संस्थाओं की रोगी कल्याण समितियों द्वारा वाहय एवं अन्तः रोगियों से सेवा शुल्क लिये जाने बाबत स्पष्टीकरण।

प्रदेश में रोगी कल्याण समितियां वर्ष 1995 में स्थापित की गयी थीं एवं वर्तमान में रोगी कल्याण समिति नियमावली, 2010 के तहत ये समितियां संचालित हैं। इस नियमावली के नियम 8.2 में यह प्रावधान है कि चिकित्सालय की समस्त सुविधाएं जैसे वाहय रोगी विभाग में टिकिट, पैथोलाजी जांच, भर्ती होने पर विशेष ईलाज, शल्यक्रिया आदि पर उपभोक्ता शुल्क वसूला जायेगा।

विभाग द्वारा प्रदेश की स्वास्थ्य संस्थाओं में निःशुल्क जांच एवं उपचार योजना आरंभ किये जाने के पश्चात् यह निर्देश जारी किये गये थे कि चिकित्सालयों में आ रहे सभी रोगियों को पूर्णतः निःशुल्क जांच एवं उपचार उपलब्ध कराया जाये।

कुछ जिलों द्वारा इस संदर्भ में संचालनालय से यह मार्गदर्शन चाहा गया है कि निःशुल्क जांच एवं उपचार योजना प्रारंभ होने के उपरांत ओ. पी. डी. व आई. पी. डी. का पंजीयन शुल्क व रोगी कल्याण समिति द्वारा प्रदाय की जा रही अन्य सेवाओं के सेवा शुल्क लिए जाने हैं अथवा नहीं। प्रायवेट वार्ड के लिए शुल्क लिए जाने के संबंध में भी संचालनालय से मार्गदर्शन चाहा गया है।

इस संबंध में विचारोपरान्त यह निर्णय लिया गया है कि रोगी कल्याण समितियां स्वविवेक से ओ.पी.डी. टिकिट एवं अन्तःरोगी विभाग में भर्ती हेतु पंजीयन शुल्क रोगियों से पूर्वानुसार ले सकती हैं। उक्त शुल्क केवल ए.पी.एल. रोगियों से ही लिया जा सकता है। बी.पी.एल. एवं राष्ट्रीय कार्यक्रमों के अन्तर्गत आ रहे रोगियों से कोई पंजीयन शुल्क नहीं लिया जाना है।

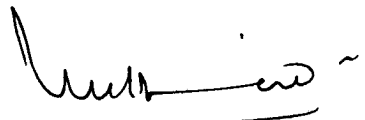
शासन द्वारा निर्धारित एवं शासकीय व्यय पर प्रदायित समस्त जाँचें एवं उपचार, चिकित्सालयों में आ रहे समस्त रोगियों जिनमें ए.पी.एल. रोगी भी सम्मिलित हैं, को निःशुल्क उपलब्ध कराया जाना है।

(12)

रोगी कल्याण समिति द्वारा अतिरिक्त रूप से प्रदायित जाँच एवं उपचार सुविधाओं (यथा सी.टी. स्कैन, डायलिसिस आदि) के लिये रोगी कल्याण समिति द्वारा शुल्क लिया जा सकेगा। बी.पी.एल. श्रेणी के रोगियों द्वारा देय ऐसे शुल्क की प्रतिपूर्ति दीनदयाल अंत्योदय उपचार योजना के तहत की जाएगी।

इसके अतिरिक्त चिकित्सालयों के प्राइवेट वार्ड में भर्ती रोगियों से कक्ष शुल्क भी पूर्वानुसार लिया जा सकता है। प्राइवेट वार्ड में भर्ती समस्त रोगियों जिनमें ए.पी.एल. रोगी भी सम्मिलित हैं, को निःशुल्क जाँच व उपचार सुविधायें अन्य रोगियों की भांति ही उपलब्ध कराई जायेंगी।

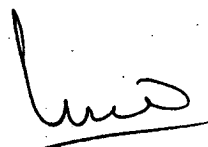
कृपया उपरोक्तानुसार कार्यवाही करने का कष्ट करें। आपके जिले के अन्तर्गत स्थित सभी स्वास्थ्य संस्थाओं की रोगी कल्याण समितियों द्वारा लागू अन्तः रोगी एवं वाह्य रोगी का पंजीयन शुल्क व प्राइवेट वार्ड की संख्या तथा कक्ष शुल्क की जानकारी संचालनालय को ई-मेल hospital.mphealth@gmail.com एवं kkthassu@mp.nic.in पर एक सप्ताह के भीतर प्रेषित करें।


o/c (डॉ. के.के.ठस्सू)
संचालक स्वास्थ्य सेवायें
(अ.प्र.), म.प्र.

पृ. क्रमांक / आर.के.एस / 2015 / 819
प्रतिलिपि:-

भोपाल, दिनांक 10/06/2015

- 1) प्रमुख सचिव, मध्यप्रदेश शासन, लोक स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण विभाग, भोपाल (म.प्र.)।
- 2) आयुक्त स्वास्थ्य, संचालनालय स्वास्थ्य सेवायें म.प्र., भोपाल (म.प्र.)।
- 3) मिशन संचालक, एन.एच.एम., जेल रोड़, भोपाल (म.प्र.)।
- 4) समस्त संचालक, संचालनालय स्वास्थ्य सेवायें, म.प्र., भोपाल।
- 5) वित्तीय सलाहकार, संचालनालय स्वास्थ्य सेवायें, भोपाल (म.प्र.)।
- 6) संचालक, वित्त, एन.एच.एम, जेल रोड़, भोपाल (म.प्र.)।
- 7) समस्त क्षेत्रीय संयुक्त संचालक, स्वास्थ्य सेवायें (म.प्र.)।
- 8) समस्त कलेक्टर, मध्यप्रदेश
- 9) समस्त खंड चिकित्सा अधिकारी, मध्यप्रदेश।


o/c संचालक स्वास्थ्य सेवायें
(अ.प्र.), म.प्र.

राशि का उपयोग सामुहिक हित के लिये किये जाना है। जिन महत्वपूर्ण गतिविधियों में यह राशि उपयोग में लाई जा सकती है। उनके कुछ उदाहरण निम्नानुसार हैं:-

- स्वास्थ्य केन्द्र भवन की भवन, ओ.टी, लेबर रूम के सामान्य मरम्मत, नाली एवं ड्रेनेज की मरम्मत सेप्टिक टैंक/टायलेट का मरम्मत निर्माण।
- कायाकल्प अभियान से संबंधित कार्य।
- एन.आर.एच.एम अथवा राज्य शासन के मद में स्वास्थ्य केन्द्र के साफ-सफाई एवं सुरक्षा का गतिविधि हेतु प्रावधान नहीं होने पर परिसर के साफ-सफाई एवं सुरक्षा पर किया गया व्यय।
- विभाग के लोक भवनों यथा शसकीय चिकित्सालय, कार्यालय तथा आवासीय भवनों के संधारण एवं रख-रखाव संबंधी दिशानिर्देश (पत्र क्रमांक एफ-12-3/14/मेडि -3/17.1.14 के अनुक्रम में संधारण एवं रख-रखाव व्यय।
- शासकीय स्वास्थ्य केन्द्र भवन की रंगाई पुताई।
- फर्नीचर एवं महत्वपूर्ण अत्यावश्यक उपकरणों के मरम्मत पर व्यय।
- आकस्मिकता अथवा महामारी के समय मरीजों के परिवहन पर होने वाला व्यय।
- आकस्मिकता, आपदा एवं महामारी के समय बेन्डेज, ओ.आर.एस महत्वपूर्ण कन्जुमेबल अथवा दवाई का क्रय जिसके संबंध में बजट प्रावधान नहीं है।
- ब्लीचिंग पाउडर अथवा पर्यावरण संरक्षण हेतु दवाईओ का क्रय।
- बिजली, पानी पर व्यय, बिजली लगाने हेतु सामान्य व्यय।
- बॉयोमेडिकल वेस्ट के निराकरण पर व्यय।
- मरीजों के बैठने की व्यवस्था पर व्यय।
- साफ पानी की व्यवस्था हेतु व्यय।
- एनआरएचएम अंतर्गत विभिन्न योजनाओं के संबंध में आई.ई.सी सामाग्रीयों का प्रदर्शन। (किसी भी प्रकार के इलेक्ट्रॉनिक अथवा समाचार पत्र में विज्ञापन को छोड़कर)
- वर्तमान में सभी जिला अस्पताल, सिविल अस्पताल तथा सामुदायिक स्वास्थ्य केन्द्रों में परामर्शदाताओं के द्वारा गर्भवति महिलाओं को प्रसवपूर्व तथा प्रसव उपरांत परामर्श का कार्यक्रम चलाया जा रहा है उक्त परामर्श हेतु आवश्यक ऑडियो-वीडियो उपकरण इस राशि से क्रय किये जा सकते हैं।

5. निम्न गतिविधियों पर व्यय नहीं किया जा सकता

निम्न गतिविधियों के हेतु अनटाइड ग्रांट की राशि का उपयोग नहीं किया जा सकता:-

- किसी भी पूर्ण अथवा अंशकालीन कर्मचारी के वेतन, मानदेय, प्रोत्साहन आदि पर व्यय।
- वाहन की खरीदी पर व्यय।
- इक्यूपमेंट, उपकरणों के क्रय पर व्यय।
- किसी भी प्रकार के इलेक्ट्रॉनिक अथवा समाचार पत्र में विज्ञापन पर व्यय।
- व्यक्ति विशेष के लिये (आकस्मिकता की स्थिति में रोगियों के परिवहन को छोड़कर) किया गया व्यय।

6. **बैंक खाता** - अनटाइड ग्रांट की राशि के उपयोग हेतु पृथक से खाता संधारित करना होगा। खाते के संधारण एवं चेक पर हस्ताक्षर हेतु एन.एच.एम के समस्त नियम यथावत लागू होंगे। ग्रांट की 50 प्रतिशत राशि को आर.के.एस सोसायटी के खाते में हस्तांतरित की जा सकेगी। इस राशि के उपयोग के संबंध में आर.के.एस सोसायटी के खातों का ऑडिट एन.एच.एम के ऑडिटर द्वारा कराया जायेगा। सब सेन्टर में उक्त राशि हेल्थ वर्कर तथा संस्था प्रमुख के संयुक्त हस्ताक्षर से आहरित होगी। ग्राम सभा स्वास्थ्य ग्राम तदर्थ समिति के अनटाइड ग्रांट के संबंध में पूर्व निर्देश यथावत होंगे। ग्राम सभा स्वास्थ्य ग्राम तदर्थ समिति अनटाइड ग्रांट की राशि के उपयोग हेतु पृथक खाता खोला जायेगा। जिसमें ग्राम के सरपंच एवं एनएचएम के संयुक्त हस्ताक्षर से आहरण किया जा सकेगा। अनटाइड ग्रांट की राशि का किसी भी स्तर पर केन्द्रीयकृत उपयोग किया जाना पूर्णतः वर्जित है।

लेखा संधारण - प्रत्येक स्तर पर व्यय का पूर्ण विवरण एवं लेखा संधारण की जबाबदारी आहरण अधिकारी की होगी। लेखाओं का नियमित आडिट एन.एच.एम के ऑडिटर से करने की जबाबदारी भी आहरण अधिकारी की होगी। व्यय उपरांत व्यय पत्रक प्राप्त करने की जबाबदारी नियंत्रणकर्ता अधिकारी की होगी एवं व्यय पत्रक (एस.ओ.ई) में दर्शाये केवल वास्तविक राशि की बुकिंग ही व्यय के रूप में मान्य की जायेगी। उपयोगिता प्रमाण पत्र विकास खण्ड चिकित्सा अधिकारी द्वारा संकलित कर जिला कार्यालय को उपलब्ध कराये जायेगे।

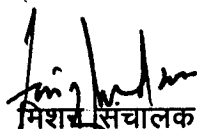
8. व्यय प्रदर्शन-संबंधित संस्थाओं द्वारा पूर्व वर्ष एवं चालू वित्तीय वर्ष में प्राप्त राशि एवं उसमें से किये गये व्यय एवं कार्य की संक्षिप्त जानकारी शाखा के बाहर प्रदर्शित करनी होगी।
9. मॉनिटरिंग रिपोर्टिंग - जिले में प्रत्येक स्तर पर अनटाइड ग्रांट के समुचित उपयोग की जबाबदारी संबंधित आहरण अधिकारी एवं नियंत्रणकर्ता अधिकारी की होगी। स्वास्थ्य संस्था द्वारा ग्रांट की राशि का पूर्ण उपयोग नहीं करने पर केवल व्यय अनुसार ही राशि जारी की जायेगी एवं जहाँ अत्यधिक कम व्यय परिलक्षित होता है। वहाँ के लिये आगामी वर्ष के लिये राशि जारी नहीं की जायेगी।
10. संस्थाओं को समय पर राशि उपलब्ध करायी जाना:- राज्य से राशि प्राप्त होने पर जिले द्वारा तत्काल कार्यवाही कर अधीन संस्थाओं को राशि जारी की जाना सुनिश्चित करना होगा। जिसका प्रमाणीकरण विकासखण्ड स्तर से प्राप्त कर जिलों द्वारा राज्य को प्रेषित करना होगा। जिसकी एक निश्चित समय-सीमा राज्य से राशि जारी करते समय दी जावेगी।
11. उपरोक्त निर्देशों के अतिरिक्त समय समय पर राज्य द्वारा अनटाइड मेन्टेनेंस के उपयोग के संबंध में निर्देश जारी किये जाते हैं तदनुसार कार्यवाही भी सुनिश्चित की जाये।

(फैज अहमद किदवई)
मिशन संचालक
एन.एच.एम
मध्यप्रदेश

क्रमांक/एन.एच.एम/वित्त/2015/8813
प्रतिलिपि :-

भोपाल, दिनांक 1/8/2015

1. प्रमुख सचिव, मध्यप्रदेश शासन, लोक स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण विभाग, मध्यप्रदेश।
2. स्वास्थ्य आयुक्त, संचालनालय स्वास्थ्य सेवायें, मध्यप्रदेश।
3. संचालक, एन.आर.एच.एम, मध्यप्रदेश।
4. समस्त संचालक, संचालनालय स्वास्थ्य सेवायें, मध्यप्रदेश।
5. संचालक वित्त, एन.आर.एच.एम, मध्यप्रदेश।
6. मुख्य अभियंता सिविल, संचालनालय स्वास्थ्य सेवायें मध्यप्रदेश।
7. समस्त संभागीय आयुक्त, मध्यप्रदेश।
8. समस्त कलेक्टर, मध्यप्रदेश।
9. समस्त संभागीय संयुक्त संचालक, स्वास्थ्य सेवायें, मध्यप्रदेश।
10. समस्त सिविल सर्जन सह मुख्य अस्पताल अधीक्षक, मध्यप्रदेश।
11. समस्त प्रोग्राम अधिकारी, एन.आर.एच.एम, मध्यप्रदेश।
12. समस्त ओ.आई.सी/एस.पी.एम.यू., एन.आर.एच.एम, मध्यप्रदेश।


मिशन संचालक
एन.एच.एम
मध्यप्रदेश

संचालनालय स्वास्थ्य सेवाएँ,
मध्यप्रदेश भोपाल

भोपाल, दिनांक 18/6/15

कमांक/आर.के.एस./2015/870
प्रति,

महानिरीक्षक,
पंजीयन एवं अधीक्षक,
पंजीयन भवन, पुरानी विधानसभा के सामने
भोपाल, मध्यप्रदेश।

विषय :- पंजीयन शुल्क एवं स्टाम्प ड्यूटी की वसूली निर्धारित दर से न किये जाने के संबंध में।

संदर्भ:- संचालनालय स्वास्थ्य सेवायें म.प्र. का पत्र कमांक/आर.के.एस./2015/417-18 दिनांक 13.03.15।

— (0) —

विषयार्तगत संदर्भित पत्र का कृपया अवलोकन किजिए। राज्य शासन द्वारा प्रदेश के जनसामान्य को चिकित्सा सुविधायें उपलब्ध कराये जाने हेतु रोगी कल्याण समिति की अवधारणा के तहत नियमावली 2010 बनाई जाकर अनुपालन हेतु अधीनस्थ स्वास्थ्य संस्थाओं को प्रेषित की गई है। (परिशिष्ट-एक) नियमावली 2010 के प्रावधानों के तहत स्वास्थ्य संस्थाओं की रिक्त भूमि पर व्यवसायिक परिसर एवं दुकानों का निर्माण कराया जाकर किराया/लीज पर दिये जाने का प्रावधान किया गया है। उक्त प्रावधान के तहत स्वास्थ्य संस्थाओं द्वारा निर्मित कराये गये दुकानों को किराया/लीज पर दिये जाने हेतु अपनाई गई प्रक्रिया के तहत भारतीय स्टाम्प अधिनियम 1899 एवं रजिस्ट्रीकरण 1908 की धारा का पालन न किये जाने के फलस्वरूप महालेखाकार द्वारा अधीनस्थ स्वास्थ्य संस्थाओं के लेखा परीक्षण के फलस्वरूप अधिोपित चार प्रारूप कंडिकाओं की छायाप्रति संलग्न है। (परिशिष्ट-दो)

भारतीय स्टाम्प अधिनियम 1899 एवं रजिस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 के तहत स्टाम्प शुल्क एवं पंजीयन शुल्क निर्धारित दर से वसूली हेतु महानिरीक्षक पंजीयन एवं मुद्रांक सक्षम है।

अतः अनुरोध है कि प्रदेश की स्वास्थ्य संस्थाओं द्वारा निर्मित कराई गई दुकानों एवं व्यवसायिक परिसर को किराये/लीज पर दिये जाने में कम वसूल किये गये स्टाम्प शुल्क एवं पंजीयन शुल्क की वसूली हेतु आवश्यक कार्यवाही करने का कष्ट करें, ताकि शंत-प्रतिशत राशि की वसूली की जाकर राज्य की संचित निधि में जमा कराया जाना सम्भव हो सकें।

संलग्न:-उपरोक्तानुसार।

॥
संचालक, (अ.प्र.)

संचालनालय स्वास्थ्य सेवाएँ,
मध्यप्रदेश, भोपाल

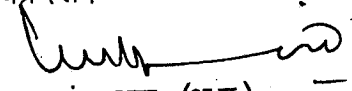
87

पृष्ठ क्रमांक/आर.के.एस./2015/871
प्रतिलिपि :-

भोपाल, दिनांक 18/6/2015

1. महालेखाकार, म.प्र. ग्वालियर ।
 2. स्टाफ आफिसर, प्रमुख सचिव, मध्यप्रदेश शासन, लोक स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण विभाग, मंत्रालय वल्लभ भवन, भोपाल ।
 3. स्वास्थ्य आयुक्त, स्थानीय कार्यालय ।
 4. समस्त कलेक्टर, मध्यप्रदेश ।
 5. अपर संचालक, वित्त स्थानीय कार्यालय ।
 6. समस्त, संभागीय संयुक्त संचालक स्वास्थ्य सेवाएँ, मध्यप्रदेश ।
- समस्त मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी की ओर सूचनार्थ एवं आवश्यक कार्यवाही हेतु प्रेषित। कृपया रोगी कल्याण समिति की नियमावली 2010 के प्रावधान के तहत जिला अंतर्गत स्थापित स्वास्थ्य संस्थाओं में रोगी कल्याण समिति द्वारा निर्मित कराये गये व्यवसायिक परिसर एवं दुकानों को किराया/लीज पर दिये जाने संबंधी समस्त जानकारी उपपंजीयक एवं मुद्रांक को उपलब्ध करायी जाकर कम स्टाम्प शुल्क एवं पंजीयन शुल्क की वसूली विधिमान प्रक्रिया के तहत सुनिश्चित करें।

~~समस्त, संभागीय संयुक्त संचालक, स्वास्थ्य सेवाएँ, मध्यप्रदेश।~~


संचालक, (अ.प्र.)
संचालनालय स्वास्थ्य सेवाएँ,
मध्यप्रदेश, भोपाल

ok 